



सं.154

जुलाई-सितंबर 2017 ISSN 0972-2386

कडलमीन

सी एम एफ आर आई समाचार

<http://www.cmfri.org.in>

**Interactive Meeting of
Shri Devendra Chaudhary, IAS**
Hon'ble Secretary, DAHD&F, Govt. of India
with Officials Dept. of Fisheries, Govt. of Kerala/
Fishery Institutes, Govt. of India/ICAR Institutes at Kochi
22 July, 2017
ICAR- Central Marine Fisheries Research Institute, Kochi



श्री देवेन्द्र चौधरी, माननीय सचिव, डी ए डी एफ विचार-विमर्श बैठक का संबोधन करते हुए

कृपया पृष्ठ सं. 3 देखें



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान

पी.बी. सं. 1603, एरणाकुलम नोर्ट पी.ओ; कोचीन - 682 018, केरल, भारत

कडलमीन

കടൽമീൻ

கடல்மீன்

ಕಡಲ್‌ಮೀನ್

ಕಡಲ್‌ಮೀನ್

കടൽമീൻ

कडलमीन

കടൽമീൻ

टिकाऊ विकास लक्ष्य 14 की प्राप्ति के लिए नीति आयोग और भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का सहयोग	3
अनुसंधान मुख्य अंश	7
आगंतुक	10
राजभाषा कार्यान्वयन	11
प्रदर्शनियाँ	12
कार्यशालाएं	12
जर्नल क्लब	13
महिला सेल की गतिविधियाँ	14
मान्यताएं	14
कृ वि कें (एरणाकुलम) समाचार	15
कार्यक्रम में सहभागिता	16
कार्मिक समाचार	18

प्रकाशक

डॉ. ए. गोपालकृष्णन

निदेशक

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
पोस्ट बॉक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्त पी.ओ.
कोच्ची - 682 018, केरल, भारत

दूरभाष: 0484 2394867

फैक्स: 91-484 2394909

ई-मेल: director@cmfri.org.in

वेबसाइट: www.cmfri.org.in

संपादक

डॉ. यू. गंगा

संपादकीय मंडल

डॉ. रेखा जे. नायर

डॉ. के. आर. श्रीनाथ

डॉ. एन.एस. जीना

श्रीमती ई.के. उमा

श्री. अजु के राजु

संपादन सहायता

श्री अरुण सुरेन्द्रन

श्री सी. वी. जयकुमार

श्री पी. आर. अभिलाष

निदेशक कहते हैं



सभी को हार्दिक अभिवादन
वर्ष 2015 में भारत को मिलाकर कई देशों ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तावित किए जाने के अनुसार अगले 15 वर्षों के अंतर्गत टिकाऊ विकास की कार्यसूची के 17 लक्ष्यों के कार्यान्वयन के संबंध में स्वयं प्रतिबद्ध थे। सम्मिलित एवं टिकाऊ विकास नमूने में गरीबी उन्मूलन, उत्पादन का टिकाऊ तरीका अपनाना और प्राकृतिक संपदाओं का विदोहन और अच्छा शासन मुख्य घटक थे। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार और निजी सेक्टर के अलावा नागरिक समाज सहित सभी हितधारकों की अपनी भूमिका है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहचाने गए 17 टिकाऊ विकास लक्ष्यों में से लक्ष्य 14 'पानी के नीचे का जीवन' है। इस संदर्भ में, नीति आयोग और डब्ल्यू डब्ल्यू एफ भारत

की सहकारिता से भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यशाला में की गयी चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। संस्थान द्वारा अब इंडियन पोम्पानो मछली के सामूहिक संतति उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की है और मानकीकृत संतति उत्पादन प्रौद्योगिकियों सहित प्राथमिकता की समुद्री मछली प्रजातियों की सूची में जोड़ी गयी है। वर्ष 2017 भर आयोजित किए जाने वाले प्लेटिनम जयंती समारोह के दौरान संस्थान के अनुसंधान केन्द्रों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। समुद्री आवास तंत्र स्वास्थ्य के साथ तटीय औद्योगीकरण सुसंगत बनाने (एच सी आइ एम ई एच 2017) के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान कई हितधारकों को एक ही मंच लाकर तटीय क्षेत्र के साकल्यवादी विकास और पर्यावरणीय स्थिरता से संबंधित प्रमुख मामलों पर चर्चा की जा सकी। समाज के हितार्थ दूर संवेदन और इससे जुड़ी हुई प्रौद्योगिकियों के प्रयोग पर विश्वव्यापक तौर पर प्रमुखता मिली जा रही है। संस्थान द्वारा निकट भविष्य में पारितंत्र विश्लेषण और मात्स्यिकी के लिए दूर संवेदन विषय पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया जा रहा है। निर्दिष्ट लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक साथ प्रयास करने के इस अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएं।

अ. गोपाल

ए. गोपालकृष्णन
निदेशक

भा कृ आनु प-सी एम एम आर आइ के बारे में

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन कोच्ची में स्थापित केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान समुद्री मात्स्यिकी और समुद्र कृषि में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित सर्वप्रमुख अनुसंधान संस्थान है।

सी एम एफ आर आइ के तीन क्षेत्रीय केन्द्र जो कि मंडपम कैंप, विशाखपट्टणम और वेरावल तथा आठ अनुसंधान केन्द्र भारत की तट रेखा में कार्यरत हैं जो देश के समुद्रवर्ती राज्यों को समुद्री मात्स्यिकी नीति का अनुपालन करने में सहायता प्रदान करते हैं।



टिकाऊ विकास लक्ष्य 14 की प्राप्ति के लिए नीति आयोग और भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का सहयोग



डॉ. अशोक जैन, सलाहकार, नीति आयोग कार्यशाला में व्याख्यान देते हुए

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सजाए गए टिकाऊ विकास लक्ष्य 14 'मानव कल्याण और टिकाऊ विकास के लिए समुद्री तथा तटीय पारितंत्र का प्रभावकारी एवं समावेशी प्रबंधन' है के अंतर्गत भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची ने नीति आयोग और डब्लियु डब्लियु एफ-इंडिया की सहकारिता से 4 और 5 जुलाई, 2017 को दो-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। सभी तटीय राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधियों, हितधारकों और केन्द्रीय सरकार मंत्रालयों,

शिक्षा संस्थाओं के कर्मिकों और अनुसंधान संस्थानों, यु एन निकायों और गैर सरकारी संगठनों के वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ विकास लक्ष्य 14 में सम्मिलित निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विशेषज्ञों द्वारा विविध सिफारिशों को अंतिम रूप दिया गया। इस दौरान डॉ. अशोक जैन, सलाहकार, नीति आयोग, पी.के.बिश्वाल, अतिरिक्त सचिव, योजना

एवं अभिसरण विभाग, उड़ीषा, डॉ. सेजल वोरा, कार्यक्रम निदेशक, डब्लियु डब्लियु एफ-इंडिया, डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, डॉ. सी. एन. रविशंकर, निदेशक, भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी, डॉ. प्रवीण पी., सहायक महानिदेशक (समुद्री मात्स्यिकी), भा कृ अनु प और श्री एन. वासुदेवन, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन परिरक्षक, महाराष्ट्र और अन्य अधिकारियों ने कार्यशाला में चर्चा का नेतृत्व किया।

श्री देवेन्द्र चौधरी, आइ ए एस, सचिव, डी ए डी एफ का वैज्ञानिकों और मछुआरों के साथ विचार-विमर्श

श्री देवेन्द्र चौधरी, आइ ए एस, सचिव, पशु पालन, डेयरी और मात्स्यिकी विभाग (डी ए डी एफ), भारत सरकार ने 22 जुलाई, 2017 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का दौरा किया और विविध केन्द्रीय मात्स्यिकी संस्थानों के प्रतिनिधियों और केरल के खारा पानी मछुआरों के साथ विचार-विमर्श किया। डॉ. एस. कार्तिकेयन आइ ए एस, मात्स्यिकी निदेशक, केरल और डॉ. एल. शंकर, संयुक्त आयुक्त, डी ए डी एफ भी उनके साथ थे। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के प्रभागों के अध्यक्षों, भा कृ अनु प-राष्ट्रीय मछली आनुवंशिकी संपदा ब्यूरो, भा कृ अनु प-केन्द्रीय अंतस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, मात्स्यिकी एवं महासागर अध्ययन का केरल विश्वविद्यालय, केन्द्रीय मत्स्य नौचालन एवं इंजिनियरी प्रशिक्षण संस्थान और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श बैठक में भाग लिया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-

सी एम एफ आर आइ ने सभा का स्वागत किया और संस्थान में हाल ही में की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों पर विवरण दिया। उन्होंने कहा कि भा कृ अनु प-सी एम एफ

आर आइ देश के सभी समुद्रवर्ती राज्यों के समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में प्रगति लाने के लिए डी ए डी एफ के साथ सहयोग देने को तैयार है।



निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ माननीय सचिव, डी ए डी एफ का स्वागत करते हुए

केरल के खारा पानी मछली पालनकारों के साथ विचार-विमर्श के दौरान श्री देवेन्द्र चौधरी ने कहा कि वर्ष 2020 तक देश का कुल मछली उत्पादन वर्तमान 10 मिलियन टन से 15 मिलियन टन तक होना चाहिए। गुणता युक्त मछली संततियों के अभाव

के संदर्भ में उन्होंने यह आश्वासन दिया कि केन्द्रीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से मछली एवं चिंगट के लिए नर्सरियों की स्थापना की जाएगी। खारा पानी जलजीव पालन में रोग ग्रस्तता के बारे में श्री चौधरी ने बताया कि इको-लेबलिंग और जैविक पालन

अपनाने से रोग ग्रस्तता कम करने में सहायक निकलेगा। मछली के टिकाऊ और स्वास्थ्य पूर्ण पालन के प्रचारार्थ हेतु सरकार द्वारा जैविक पालन के फसल को प्रमाणित करने का तरीका तैयार करने की योजना बनायी जाएगी।

भारतीय पोम्पानो मछली के संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकी का विकास

भारत में समुद्री संवर्धन गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने देशीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उच्च वाणिज्यिक मूल्य होने वाली भारतीय पोम्पानो मछली (*ट्रकिनोटस मूकाली*) के संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकी सफल रूप से विकसित की गयी। इसकी तेज बढ़ती दर, पालन वातावरण में आसानी से अनुकूलता, कृत्रिम खाद्य को स्वीकार करने की क्षमता, मांस की अच्छी गुणता और

उपभोक्ता के बीच अच्छी मांग की वजह से इसे पालन के लिए उचित प्रजाति मानी जाती है। संस्थान ने पहले ही कोबिया, सिल्वर पोम्पानो, नारंगी ग्रूपर (ओरंज ग्रूपर) और पिक इयर एम्परर मछलियों के संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकी विकसित की है। विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में नयी विकसित पुनःपरिसंचरण जलजीव पालन सुविधा (आर ए एस) से टी.मूकाली मछली के प्रजनन और संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकी विकसित की गयी है।

एशिया महाद्वीप के विभिन्न 15 देशों में इंडियन पोम्पानो मछली पायी जाती है। लेकिन इंडियन पोम्पानो के बड़े पैमाने में संतति उत्पादन यह पहली बार सफल रूप से किया जा सका। यह भारत में समुद्री संवर्धन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे मछली पालन समुदाय के लोगों को पिंजरे में मछली पालन के लिए स्फुटनशाला में विकसित संततियों को प्राप्त किया जा सकता है।

कर्नाटक में पी ए एन इंडिया मछुआरा अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन (एफ ई एम ए) का संचालन और उन्नयन

एम.एस.स्वामिनाथन रिसर्च फाउन्डेशन और भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूर द्वारा संयुक्त रूप से कर्नाटक में पी ए एन इंडिया मछुआरा अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन (एफ एफ एम ए) के संचालन और उन्नयन का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जो भारत में ही पहला कदम है। यह एप्लिकेशन मछुआरों के लिए जीवन नष्ट और संपत्तियों की क्षति कम करने में प्रभावकारी औजार के रूप में काम करता है। मांगलूर और माल्पे मत्स्यन हार्बरों में दिनांक 5 सितंबर, 2017 को एफ एफ एम ए का प्रारंभ किया गया। मात्स्यिकी विभाग, कर्नाटक सरकार के कार्मिकों, मछुआरों, मछली व्यापारियों और नाव मालिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। एप्लिकेशन लगाए गए दस हैन्डसेट चुने गए 10 (असूस मोबाइल हैन्ड सेट) चुने गए 10 मास्टर मछुआरों को प्रदान किए गए



माल्पे मात्स्यिकी हार्बर में एफ एफ एम ए के लॉन्चिंग का दृश्य

और इस में प्रदान किए गए प्रयोग के विकल्पों पर विवरण दिया गया। सभी भागीदारों को अंग्रेजी और कन्नड़ में तैयार किए गए पाम्फलेट भी दिए गए। मांगलूर और उडुपी में आयोजित

कार्यक्रम में उपस्थित मछुआरों को इस एप्लिकेशन का नियमित रूप से उपयोग करके इसके बारे में प्रतिक्रिया देने का अनुरोध किया गया।

तमिल नाडु में कृत्रिम भित्तियों का परिनियोजन

तटीय मछुआरों की आजीविका के उन्नयन के लिए कृषि विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय निधि (आइ एफ ए डी) द्वारा समर्थित पश्च-सूनामी टिकाऊ आजीविका कार्यक्रम (पी टी एस एल पी) परामर्श परियोजना के अंतर्गत सितंबर, 2017 महीने में कृत्रिम भित्तियों का परिनियोजन किया गया। मछुआरों की सहकारिता से कडलूर जिले के अय्यमपेट्टै और पेरियकुप्पम और नागपट्टिणम जिले के तोडुवै और चावडिकुप्पम में 225 कृत्रिम भित्ति मोड्यूलों का परिनियोजन किया गया।

(जो किष्कूडन, मद्रास अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)



राष्ट्रीय मछली पालनकार दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय मछली पालनकार दिवस के दौरान टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 10 जुलाई, 2017 को स्कूल के छात्रों, मछुआरों और वैज्ञानिकों की विचार विमर्श बैठक आयोजित की गयी। स्कूल के छात्रों को मछली पालन और समुद्री खाद्य समुद्री मात्स्यिकी की प्रधानता समझने और समुद्री मात्स्यिकी तथा जलजीव

पालन में उच्च शिक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नौ स्कूलों से चुने गए 45 छात्रों ने सिपिकुलम, कीलवैपार और तेरेसापुरम के मछुआरों और संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ विचार विमर्श किया गया। छात्रों के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सुब्बय्या विद्यालय बालिका उच्च स्तरीय माध्यमिक

विद्यालय और शक्ति विनायकर हिन्दु विद्यालय, तूत्तुकुडी जीत गए। इस अवसर पर डॉ. पी. पी. मनोजकुमार, प्रभारी वैज्ञानिक, डॉ. आइ. जगदीश, डॉ. एल. रंजित, डॉ. पी. एस. आशा, डॉ. सी. पी. सुजा, श्रीमती एम. कविता, श्री सी. कालिदास, श्री राजन कुमार और श्रीमती शिखा रहांगडले ने व्याख्यान दिए।

आदिवासी उप-योजना परियोजना के अंतर्गत पिंजरे में पालन की गयी मछलियों का फसल संग्रहण

पुलिकाट के सेंजियम्मन नगर में दिनांक 19 अगस्त, 2017 को इरुलर (एस टी) मछुआरों के लिए टी एस पी कार्यक्रम के अंतर्गत पिंजरे में पालन की गयी मछलियों का फसल संग्रहण किया गया। पालन के 272 दिनों के बाद एशियन समुद्री बास और मैंग्रोव स्नाप्पर लूटजानस अर्जेंटिमाकुलाटस और इनके साथ थूपर और करंजिड काराक्स इग्नोबिलिस और ग्नाथानोडोन प्रजातियों का संग्रहण किया गया और इससे एक लाख रुपये का मूल्य प्राप्त हुआ। पालन के लिए इन मछलियों का संभरण नवंबर महीने में किया गया और ये अगले महीने में हुए वर्षा चक्रवात से बच गयीं। श्री मोहन कुमार, सहायक निदेशक (मात्स्यिकी), तिरुवल्लूर जिला, तमिल नाडु मात्स्यिकी विभाग ने फसल संग्रहण का उद्घाटन किया।



सेंजियम्मन नगर में पिंजरे में पालन की गयी मछलियों का फसल संग्रहण

कारवार के समुद्री पिंजरे से समुद्री बास मछली का फसल संग्रहण

कारवार में दिसंबर, 2016 महीने में 10 मी. के व्यास के एच डी पी ई पिंजरों में संभरित 100 ग्राम भार वाली एशियन समुद्री बास मछलियों का फसल संग्रहण जुलाई, 2017 महीने में किया गया। इन सभी मछलियों को पालन के प्रारंभिक दो महीनों के दौरान दिन में दो बार जैवभार के 6% की दर में पेल्लेट खाद्य दिया गया और इसके बाद जैवभार के 8% की दर में कचरा मछली दी गयी। कुल 1.4 टन मछलियों का संग्रहण किया गया।

कारवार में संग्रहित

एशियन समुद्री बास मछलियों का दृश्य



समझौता ज्ञापन पर मैंग्रोव फाउन्डेशन और सी एम एफ आर आइ के हस्ताक्षर

टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी, जलजीव पालन अनुसंधान, विकास एवं विस्तार के क्षेत्र में पांच वर्ष की अवधि तक सहकारिता के लिए मैंग्रोव एवं समुद्री जैवविविधता परिरक्षण फाउन्डेशन ऑफ महाराष्ट्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और श्री एन. वासुदेवन, कार्यकारी निदेशक, मैंग्रोव फाउन्डेशन ने दिनांक 4 जुलाई, 2017 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मुख्यालय, कोच्ची में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।



समझौता ज्ञापन का प्रतिदान

अनुसंधान केन्द्रों में प्लेटिनम जयंती वर्ष समारोह

प्लेटिनम जयंती वर्ष समारोह के भाग के रूप में संस्थान के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान के मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 25 सितंबर, 2017 को 'समुद्री आवास व्यवस्था के साथ तटीय औद्योगीकरण का तालमेल' (एच सी आइ एम ई एच) विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। डॉ. के. जी. जगदीशा, आइ ए एस, उप आयुक्त, दक्षिण कन्नड़ जिला ने श्री एन. वासुदेवन, आइ एफ एस, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन परिरक्षक, महाराष्ट्र मैंग्रोव सेल और डॉ. पी. प्रवीण, सहायक महानिदेशक (समुद्री मात्स्यिकी), भा कृ अनु प, नई दिल्ली की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. प्रतिभा रोहित, प्रभारी वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूर अनुसंधान केन्द्र ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। कार्यशाला द्वारा कर्नाटक तट स्थित प्रमुख उद्योगों और संगठनों को अपनी गतिविधियों को प्रस्तुत करने और संबंधित मामलों एवं टिकाऊपन से जुड़ी हुई समस्याओं तथा समुद्री आवास तंत्र के परिरक्षण के लिए लिए जाने वाले उपायों पर चर्चा करने के लिए मंच प्रदान किया गया। कार्यशाला में तटीय विकास से जुड़े हुए विभागों (महाराष्ट्र मैंग्रोव सेल, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मांगलूर नगर निगम, कर्नाटक राज्य मात्स्यिकी विभाग) और प्रमुख उद्योगों (एम आर पी एल, के आइ ओ सी एल, आइ एफ ए एफ ई ए) ने भाग लिया। इस अवसर पर "कर्नाटक की समुद्री मात्स्यिकी के लिए प्रबंध योजनाएं" विषयक द्विभाषी नीति दस्तावेज और स्मारिका का लोकार्पण किया गया।



डॉ.के. जी. जगदीशा, आइ ए एस एच सी आइ एम ई एच कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए

टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 19 जुलाई, 2017 को तूतुकुडी जिले के लघु पैमाने के मछुआरों और परंपरागत मछुआरों की बैठक आयोजित की गयी, जिस में समुद्री संवर्धन रीतियों को अपनाने के बारे में जोर दिया गया। इस में तूतुकुडी जिले के चार तटीय गाँवों से कुल 29 मछुआरों ने भाग लिया। श्रीमती बाला सरस्वती, मात्स्यिकी सहायक निदेशक (मात्स्यिकी), तमिल नाडु ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मछुआरों के बीच समुद्री संवर्धन को प्रोत्साहित करने में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के कदमों पर सराहना करते हुए उन्होंने पिंजरा मछली पालन के

लिए एफ आइ एम एस यु एल और एन ए डी पी के अंतर्गत उपलब्ध योजनाओं के संबंध में विवरण दिया। तूतुकुडी के सिप्पिकुलम गाँव में महाचिंगट पालन करने वाले श्री आर. रेक्सन और श्री डानिएल राज ने इस कदम में अपनी सफलता का अनुभव सभा को बता दिया। इस अवसर पर डॉ. पी. पी. मनोजकुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र, डॉ. आइ. जगदीश, प्रधान वैज्ञानिक, श्री सी. कालिदास, वैज्ञानिक एवं समन्वयक, श्रीमती वयला, मात्स्यिकी निरीक्षक और डॉ. एल. रंजित, वैज्ञानिक ने भाषण दिया।

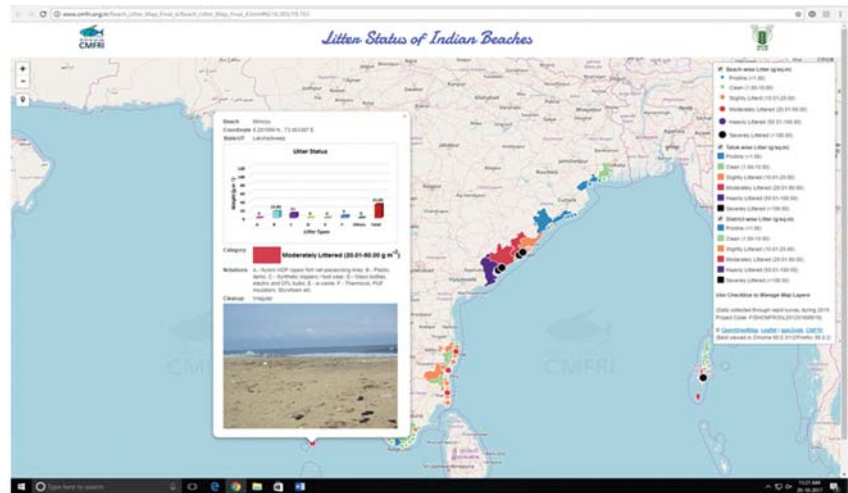
स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 8 अगस्त, 2017 को 'खतरे में पड़ गए, धमकी में पड़ गए और संरक्षित प्रजातियों के विशेष संदर्भ में समुद्री जीवजातियों की पहचान' विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डॉ. एम. शक्तिवेल, डीन (शिक्षा एवं अनुसंधान शाखा), कामराज कॉलेज, टूटिकोरिन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसमें 6 कॉलेजों से कुल 31 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। डॉ. आइ. जगदीश, डॉ. पी. एस. आशा, श्री सी. कालिदास, डॉ. एल. रंजित, श्रीमती एम. कविता, श्री राजन कुमार और श्रीमती शिखा रहांगडले ने विविध तकनीकी सत्रों का संचालन किया। कार्यक्रम में उपास्थिमीनों, मोलस्को, होर्सशू केकड़ा, सिग्नाथिड्स (समुद्री घोड़ा और पाइप फिश), होलोथूरियन (समुद्री ककड़ी), प्रवाल और समुद्री फैन, समुद्री कच्छप और समुद्री स्तनियों पर विशेष जोर दिया गया।



टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र में मछली पालन पर ब्रोशर का लोकार्पण

भारत के समुद्र तट कूड़े की स्थिति पर संवादात्मक वेब मानचित्र

समुद्र तटों और समुद्री आवास व्यवस्था में कूड़े की वर्धित पैमाने में उपस्थिति आवास व्यवस्था के टिकाऊपन के लिए प्रमुख धमकी देखी जाती है। संस्थान द्वारा विभिन्न समुद्रवर्ती राज्यों में आयोजित की गयी कई विचारात्मक बैठकों में मछुआरों द्वारा सामना की जाने वाली गंभीर समस्या के रूप में समुद्री कूड़े को माना जाता है। भूमि के विविध स्रोतों से कूड़े समुद्र में पहुँचे जाते हैं। तट के गैर अवक्रमनीय कूड़े का प्रकार समझने के लिए द्रुत सर्वेक्षण द्वारा भारतीय समुद्र तट कूड़े का निर्धारण और मानचित्रण किया गया। यह सूचना आसान से उपलब्ध कराने हेतु एक संवादात्मक वेब मानचित्र का विकास करके भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ वेबसाइट http://www.cmfri.org.in/Beach_Litter_Map_Final_4/Beach_Litter_Map_Final_4.html#6/15.657/81.607 में सम्मिलित किया गया। ओपन स्ट्रीट मैप को आधार बनाया गया और समुद्री तटवार कूड़े, तालुकवार कूड़े और जिलेवार कूड़े के स्तरों के आधार पर संवादात्मक लेयर्स का विकास किया गया, जो चैकबॉक्सों के



प्रयोग से प्रबंध किया जा सकता है। मानचित्र तथा पॉप-अप विन्डो समुद्र तट का नाम, समन्वयकार, राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र, कूड़े का स्तर, वर्ग और वर्गवार फोटोग्राफ आदि सूचनाएं मिल जाती हैं। कूड़ा प्रबंधन और समुद्री आवास तंत्र के परिरक्षण में अभिरुचि होने वाले नीति निर्माणकारों, अनुसंधानकारों और आम लोगों को यह संवादात्मक मानचित्र उपयोगी होगा। इसके अतिरिक्त इस मानचित्र से सूचना और

अंतिम उपभोक्ता के बीच की क्षमता भी व्यक्त होता है। मात्स्यिकी पर्यावरण प्रबंध प्रभाग द्वारा इस प्रभाग के विभिन्न अनुसंधान / क्षेत्रीय केन्द्रों तथा मुख्यालय में तैनात किए गए सभी वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों के सहयोग से इस वेब मानचित्र का विकास किया गया।

(वी. कृपा और शेल्टन पादुवा, मात्स्यिकी पर्यावरण प्रबंध प्रभाग की रिपोर्ट)

मछली स्टॉक स्तर मानदंड पर आधारित उत्तरदायित्वपूर्ण मछली उपभोग विकल्प

अतिमत्स्यन समुद्री आवास व्यवस्था का सबसे बड़ा जोखिम है और अतिमत्स्यन रोकने में उपभोक्ता जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है। टिकाऊ तरह पकड़ी गयी मछली को चुनने से ही अतिमत्स्यन से धमकी में पड़ गयी मछली प्रजातियों की मांग को कम किया जा सकता है। आपके मेनु से बुद्धिमानी से मछली चुन ले, यह प्रकृति के लिए विश्वव्यापी निधि (डब्ल्यू डब्ल्यू एफ) द्वारा प्रोत्साहित अवधारणा है। भारत में, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मानदंड के आधार

पर समुद्री मछली स्टॉक का निर्धारण करता है। हयात होटल ग्रुप के अनुरोध के आधार पर हर एक मछली प्रजाति के लिए यातायात प्रकाश प्रणाली के समान लाल, संतरा और हरे करल कोड से द्रुत स्टॉक स्तर निर्धारण किया जाता है, जिसके अनुसार उपभोक्ता की अधिक मांग वाली मछली को आसानी से पहचान की जा सकती है। इस तरीके से हयात होटल मछली की खरीद में परिवर्तन कर सकता है और खरीद, होटल मेनु तैयार करने और अन्य उपभोक्ता संसूचनाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय अवधारणा - बुद्धिमानी से चुन ले तथा मार्गदर्शनों

को अनुकूलन कर सकता है। इससे पहले वर्ष 2016 में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा आइ टी सी होटलों को समान मार्गदर्शन प्रदान किए गए थे। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डॉ. सेजल वोरा, कार्यक्रम निदेशक, डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया ने करार पर हस्ताक्षर किया, जिससे भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया को टिकाऊ मात्स्यिकी पर तकनीकी निवेश प्रदान किया जाएगा।

(के. एस. मोहम्मद, अध्यक्ष, मोलस्कन प्रभाग की रिपोर्ट)

कर्नाटक तट के सूत्रपख ब्रीम के वितरण का चित्रण

मात्स्यिकी संपदाओं के बेहतर प्रबंध एवं परिरक्षण के लिए वैज्ञानिक परामर्श प्रदान करने हेतु अंडजनन मछलियों के वितरण, नर्सरी तथा किशोरों की बढ़ती स्थान और पारितंत्रिक प्रमुखता वाले इलाकों, जो पुनः पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण आवास स्थान है, पर समझना अत्यंत आवश्यक है। कर्नाटक तट की प्रमुख संपदा नमीप्टीरस रन्डाली के किशोर तल का मानचित्रण स्थानिक-कालिक मान के आधार पर किया गया, जो इस तट पर पहली बार

किया जा रहा है। प्रति घंटा पकड़ (सी पी एच) का आकलन किया गया और ArcGIS के उपयोग से स्थानिक-कालिक मान पर न्यूनतम और अधिकतम प्रचुरता का मानचित्रण भी किया गया। नवंबर-दिसंबर और अप्रैल-मई महीनों के दौरान किशोर मछलियों की अधिकाधिक प्रचुरता देखी गयी। अधिकतम प्रचुरता का क्षेत्र 7,780 वर्ग किलो मीटर (14°29'N से 16°15.267'N और 73°1.416'E से 74°10.264'E) जो कुल आनाय तल का 11%

था। वर्ष 2016 में पकड़ की दर में 20% की घटती देखी गयी, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस संपदा पर मत्स्यन दबाव बढ़ जा रहा है और तुरंत ही प्रजाति के परिरक्षण का उपाय लिया जाना आवश्यक है। टिकाऊ स्तर पर मात्स्यिकी के परिरक्षण के लिए चुने गए नर्सरी तलों में आनाय परिचालन पर मौसमिक रोक लगाना अच्छा उपाय है।

(सुजिता तोमस, दिनेशबाबु ए. पी., पुरुषोत्तमा जी. बी., शैलजा सालियन, मांगलूर अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

स्वच्छता ही सेवा अभियान

श्रीमती कृष्णा राज, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में दिनांक 17 सितंबर, 2017 को 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' का उद्घाटन किया। स्वच्छता शपथ लेने के बाद माननीय मंत्री ने कर्मचारियों के साथ संस्थान के परिसर की सफाई में सक्रिय रूप से भाग लिया।

संस्थान के सभी क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में सार्वजनिक स्थानों में सफाई करते हुए "समग्र स्वच्छता दिवस" मनाया गया। वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में 17 सितंबर, 2017 को स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। केन्द्र

के कर्मचारियों ने 24 सितंबर, 2017 को वेरावल की मत्स्यन गतिविधियों के सब से प्रमुख स्थान भीडिया सर्किल में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के श्रम कार्य में सहयोग दिया। इसी तरह 25 सितंबर, 2017 को मत्स्यन पोताश्रय, छिल्का एवं पूर्व-प्रसंस्करण शेड, बर्फ फैक्टरी, प्रसंस्करण प्लांट और मछली शुष्कन कुटीरों की सफाई और 1 अक्टूबर, 2017 को प्लास्टिक के संग्रहण एवं निपटान सहित प्रमुख कार्यक्रम के रूप में सोमनाथ समुद्र तट की सफाई का कार्य आयोजित किया गया। मद्रास अनुसंधान केन्द्र द्वारा 24 सितंबर, 2017 को मरीना समुद्र तट के नाडुकुप्पम क्षेत्र और समीपस्थ मछली

अवतरण केन्द्र, जो चेन्नई का प्रमुख पर्यटन स्थान भी है, की सफाई का अभियान आयोजित किया गया। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी मंडपम मछली अवतरण केन्द्र की सफाई कार्य और अवतरण केन्द्र में शौचालय की सुविधा के शिलान्यास कार्य में लगे हुए। इसके अलावा उन्होंने 1 अक्टूबर, 2017 को तमिल नाडु के रामनाथपुरम जिले के आरियम्मन समुद्र तट की सफाई की।

विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा 24 जुलाई और 23 अगस्त, 2017 को स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।



मुख्यालय में आयोजित मानव श्रृंखला



मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में आयोजित मानव श्रृंखला



विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में स्वच्छ भारत के लिए शपथ ग्रहण



मंडपम मछली अवतरण केन्द्र में शौचालय निर्माण का शिलान्यास



वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र के टीम द्वारा मछली अवतरण केन्द्र की सफाई



मुम्बई अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारियों द्वारा वेसाँवा समुद्र तट की सफाई



विभिन्न अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारियों द्वारा लाइट हाउस परिसर की सफाई



मद्रास अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारियों द्वारा मरीना समुद्र तट की सफाई

अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस

वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा भारतीय तट रक्षक स्टेशन, वेरावल, मात्स्यिकी कॉलेज, जुनगढ़ कृषि विश्वविद्यालय (जे ए यु), वेरावल, इंडियन रयोनस प्राइवट लिमिटेड और आदित्या बिल्डिंग पब्लिक स्कूल, वेरावल के सहयोग से 16 सितंबर, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस मनाया गया। वेरावल समुद्र तट सफाई कार्यक्रम में कुल 200 लोग लगे हुए थे। बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य गैर-अवक्रमित अपशिष्ट समुद्र तट से निकाला गया और जलाने के लिए नगर पालिका निगम द्वारा ले गया।



वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र के कार्मिक तटीय सफाई के दौरान

कर्नाटक के मानूर में मड़ बैंक

दक्षिण पश्चिम मानसून मौसम के दौरान आलेप्पी से कोच्ची तक के समुद्र तट पर मड़ बैंक देखा जाता है। लेकिन पिछले तीन वर्षों के दौरान कर्नाटक तट पर छोटे मड़ बैंकों का विन्यास

देखा जाता है। जुलाई, 2017 में कर्नाटक के उडुपी जिले के कोटा में 2 किलो मीटर के क्षेत्र में 15 दिनों तक मड़ बैंक दृश्यमान हुआ और वहाँ इकट्ठी हुई मछलियों को निकटवर्ती

गाँवों के मछुआरों ने वलय संपाश, हस्त आनायकों और छोटे तट संपाशों द्वारा पकड़ा।

(मांगलूर अनुसंधान केन्द्र की रिपोर्ट)

हम्प बैंक तिमी को बचाया

गुजरात के अमरेली जिले के नवाबंदर गाँव के पास दिनांक 21 सितंबर को समुद्र तट पर आयी हम्प बैंक तिमी को बचाया गया। स्थानीय

मछुआरों ने बड़े सबरे समुद्र तट पर 30 फुट की लंबाई वाले हम्प बैंक तिमी को जीवन के लिए संघर्ष करते हुए देखा। गुजरात सरकार के वन विभाग के कार्मिकों और मछुआरों ने

भीमाकार तिमी को समुद्र में वापस ले जाने का प्रयास किया। वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र के टीम ने भी इस कदम में भाग लिया और तिमी को बचाने का प्रयास सफल निकला।

मछली स्टॉक निर्धारण पर ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम



मछली स्टॉक निर्धारण पर ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम का उद्घाटन

मात्स्यिकी संपदा निर्धारण प्रभाग (एफ आर ए डी) द्वारा मछली स्टॉक निर्धारण और मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए आधुनिक प्रणालियाँ विषय पर मुख्यालय में 12 जुलाई, 2017 से लेकर 21 दिवस का ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। भा कृ अनु प एवं पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से चुने गए 25 व्यक्तियों ने इस में भाग लिया। डॉ. एस. कार्तिकेयन, आइ ए एस, मात्स्यिकी निदेशक, केरल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने अध्यक्ष भाषण दिया। डॉ. टी. वी. सत्यानन्दन, अध्यक्ष, मात्स्यिकी संपदा निर्धारण प्रभाग और डॉ. सोमी कुरियाकोस, प्रधान वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक ने भी इस अवसर पर सभा का संबोधन किया।

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र: श्रीमती कृष्णा राज, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने 17 सितंबर, 2017 को केन्द्र का दौरा किया। डॉ. ए. के. अब्दुल नाज़र, प्रभारी वैज्ञानिक ने केन्द्र की गतिविधियों का विवरण दिया। इस अवसर पर केन्द्र में तमिल नाडु



मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में श्रीमती कृष्णा राज का स्वागत

राज्य मात्स्यिकी विभाग द्वारा गहरा समुद्र मत्स्यन योजना के संबंध में माननीय मंत्री के साथ मछुआरों की विचार विमर्श बैठक भी आयोजित की गयी। इस दौरान श्री वी. पी. दंडपाणी, मात्स्यिकी निदेशक, तमिल नाडु, श्री जी. एस. समीरन, मात्स्यिकी अतिरिक्त निदेशक, रामनाथपुरम और डॉ. पी. पोल पांडियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, डी ए डी एफ, भारत सरकार भी उपस्थित थे।

मद्रास अनुसंधान केन्द्र: माननीय सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा कृ अनु प डॉ. त्रिलोचन महापात्र और डॉ. जे. के. जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी), भा कृ अनु प ने 7 अगस्त 2017 को केन्द्र का दौरा किया। महानिदेशक और केन्द्र के सभी वैज्ञानिकों के साथ संक्षिप्त बैठक भी आयोजित की गयी।



डॉ. प्रवीण, सहायक महानिदेशक मद्रास अनुसंधान केन्द्र में

मांगलूर अनुसंधान केन्द्र: श्री छबिलेन्द्र राउल, आइ ए एस, अतिरिक्त सचिव, डेयर एवं सचिव, भा कृ अनु प, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने 1 जुलाई 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

डॉ. नान्सी जे. अनाबेल, निदेशक (सूचना, शिक्षा एवं संसूचना) और डॉ. वेलविषी

एस., कार्यकारी निदेशक, एम. एस. स्वामिनाथन फाउन्डेशन ने 4 सितंबर, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र: डॉ. रविशंकर, निदेशक, भा कृ अनु प-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान ने 19 जुलाई, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।



मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में श्री सी. राउल, आइ ए एस और कर्मचारी सदस्य



डॉ. महापात्र, महानिदेशक मद्रास अनुसंधान केन्द्र में

श्री के. ए. गांधी, उप वन परिरक्षक, गिर-सोमनाथ जिला ने 30 अगस्त, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

श्री मो. ताहिर, सहायक निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्रप्रदेश ने 6 सितंबर, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

मुम्बई अनुसंधान केन्द्र: डॉ. एस. फेलिक्स, माननीय कुलपति, तमिल नाडु मात्स्यिकी विश्वविद्यालय ने 4 सितंबर, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

कारवार अनुसंधान केन्द्र: श्रीमती रोजा सेतुमाधवन, उप सचिव, (शिक्षा), भा कृ अनु प ने 19 अगस्त, 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

विषिजम अनुसंधान केन्द्र: श्री अभय सिन्हा, महा निदेशक, सी पी डब्ल्यू डी ने 5 जुलाई 2017 को केन्द्र का दौरा किया।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति का दौरा

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा 12 सितंबर, 2017 को भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण बैठक हयात पैलेस, रामेश्वरम में आयोजित की गयी।

निरीक्षण समिति में डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, सांसद (लोक सभा), संयोजक, डॉ. सुनील बलिराम गायकवाड़, सांसद (लोक सभा), डॉ. सत्येन्द्र सिंह, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, सुश्री अभिलाषा मिश्रा, हिन्दी अधिकारी और श्रीमती नीरजा, अनुसंधान सहायक उपस्थित थे।

डॉ. पी. प्रवीण, सहायक महानिदेशक (मात्स्यिकी), भा कृ अनु प, नई दिल्ली,



निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और टीम समिति के सदस्यों के साथ

डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डॉ. ए. के. अब्दुल

नाज़र, प्रभारी वैज्ञानिक, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र, श्री सी. मुरलीधरन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्री नवीन कुमार यायदव, सहायक निदेशक (रा भा), श्री आर. श्रीनिवासन, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती ई. के. उमा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (हिन्दी), श्रीमती प्रिया के. एम., तकनीकी सहायक (हिन्दी अनुवादक), और श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक (रा भा), और श्री मनोज कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, भा कृ अनु प, नई दिल्ली ने निरीक्षण बैठक में भाग लिया। मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र के राजभाषा कार्यान्वयन की गतिविधियों को समिति के आगे प्रस्तुत किया गया। निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति पर समिति ने संतोष प्रकट किया।



निरीक्षण दस्तावेजों को प्रदान करने का दृश्य

क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों में हिन्दी पखवाड़ा समारोह

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में 20-29 सितंबर, 2017 के दौरान विविध प्रतियोगिताओं के साथ हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 14 सितंबर से 29 सितंबर, 2017 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मांगलूर न रा का स के हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में डॉ. वीणा, श्री उपेन्द्र कुमार और श्री सुजित कुमार ने भाग लिया।

विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र में 11-16 सितंबर, 2017 के दौरान हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस संदर्भ में 16 सितंबर, 2017 को आयोजित कार्यक्रम में सुश्री भाग्यलक्ष्मी, सहायक निदेशक (रा भा), पूर्वी नौसेना कमान अध्यक्ष रही।



वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र में पुरस्कार वितरण का दृश्य

हिन्दी कार्यशालाएं

मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 6 सितंबर, 2017 को सामान्य व्याकरण और दैनिक कार्यालयीन कामकाज में हिन्दी का प्रयोग विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी।

मद्रास अनुसंधान केन्द्र में 14 सितंबर, 2017 को राजभाषा का महत्व विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। डॉ. सर्वर जहान चिदा, सहायक निदेशक (रा भा), दक्षिण टेलिकोम परियोजना, बी एस एन एल, चेन्नई ने व्याख्यान दिया।

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में 11 अगस्त, 2017 को बोलचाल की हिन्दी विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में केन्द्र के 19 कार्मिकों ने भाग लिया।



मद्रास अनुसंधान केन्द्र में आयोजित हिन्दी कार्यशाला के सहभागियों का दृश्य



मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में हिन्दी कार्यशाला का दृश्य

श्रीमती जी. शैलजा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्रीमती पी. विनीता, वैयक्तिक सहायक, श्री सायूज, तकनीकी सहायक, श्री सोलमन के., तकनीकी सहायक, श्री श्रीशांत एल., तकनीशियन, श्रीमती प्रीती उदयभानु, श्रीमती मरजाना और श्री विष्णु बी. (स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ) ने मई, 2017 महीने में आयोजित पारंगत प्रशिक्षण पास हुए।

कर्मचारियों को कंप्यूटर में हिन्दी में काम करने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यालय में

17-23 जुलाई, 2017 के दौरान कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, कावकनाड, कोच्ची ने प्रशिक्षण दिया।

संस्थान में अप्रैल-जून, 2017 अवधि की राजभाषा गतिविधियों का पुनरीक्षण करने के लिए 23 अगस्त, 2017 को डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित की गयी।

प्रदर्शनियाँ

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ विषिजम अनुसंधान केन्द्र ने मात्स्यिकी निदेशालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा 10-12 जुलाई, 2017 के दौरान “फिश फेस्ट एंड फिश अदालत” विषय पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया और संस्थान का प्रदर्शन स्टॉल भी सजाया।

सी एम एफ आर आइ ने मात्स्यिकी विभाग, केरल सरकार द्वारा

25-27 जुलाई के दौरान कोच्ची में आयोजित मत्स्योत्सव प्रदर्शनी और 13-15 अगस्त के दौरान आलप्पुषा में आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया। डॉ. एन. अश्वती, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रबंधक, ए टी आइ सी ने एस ई ई टी टी डी और ए टी आइ सी के सभी कर्मचारियों के सहयोग से सी एम एफ आर आइ का प्रदर्शन स्टॉल का समन्वयन किया।



भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ प्रदर्शन स्टॉल में केरल की मात्स्यिकी मंत्री श्रीमती जे. मेसीकुट्टियम्मा



मत्स्योत्सव, आलप्पुषा में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ प्रदर्शनी स्टॉल

कार्यशालाएं

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 3 और 4 अगस्त, 2017 को ‘भारत में आनाय मात्स्यिकी के बेहतर परिचालन के लिए मार्गदर्शन का विकास’

विषयक गृहांदर परियोजना की प्रारंभिक कार्यशाला आयोजित की गयी। संस्थान के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों के सह-प्रधान अन्वेषकों सहित कार्यशाला में कुल 40 सहभागी उपस्थित

थे। श्री मुरलीधरन सी.एम., एफ ए ओ सलाहकार, बंगाल उपसागर बृहद् समुद्री आवास तंत्र परियोजना (बी ओ बी एल एम ई), चेन्नई कार्यशाला में बाहरी विशेषज्ञ और मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. पी. टी. शारदा, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना लीडर ने भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूर अनुसंधान केन्द्र में 3 अगस्त, 2017 को 'मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए भारत के समुद्री झींगों की नई भर्ती गतिकी और स्थानिक-कालिक स्टॉक निर्धारण का आशय' विषयक परियोजना की प्रारंभिक कार्यशाला आयोजित की।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मद्रास अनुसंधान केन्द्र में 18 और 19 अगस्त, 2017 को 'तमिल नाडु और पुदुच्चेरी की टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी के लिए संपदा निर्धारण और प्रबंधन ढांचा' विषयक गृहान्तर परियोजना की प्रारंभिक कार्यशाला आयोजित की गयी। डॉ.



भारत में आनाय मात्स्यिकी के बेहतर परिचालन के लिए मार्गदर्शन का विकास विषयक प्रारंभिक कार्यशाला के सहभागी और संपदा विशेषज्ञ

एम. शिवदास और डॉ. शोभा जो किष्कूडन टूटिकोरिन और विषिजम क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों ने कार्यशाला का समन्वयन किया। इस के वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने परियोजना से जुड़े हुए मद्रास, मंडपम, कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वी एच एस एस, कडमकुडी के व्यावसायिक उच्च शिक्षा छात्रों के लिए ए टी आइ सी द्वारा 18 सितंबर, 2017 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. एन. अश्वती, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रबंधक, ए टी आइ सी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। डॉ. पी. विजयगोपाल, अध्यक्ष, समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग और डॉ. के. मधु, प्रधान वैज्ञानिक, समुद्री संवर्धन प्रभाग संकाय सदस्य थे।

भा कृ अनु प-मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में 25 सितंबर, 2017 को 'समुद्री अलंकारी मछली पालन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 75 मछुआरों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। थसीम बीवी, अब्दुल खादर महिला कॉलेज, कोलकरै, रामनाथपुरम संकाय सदस्य थी। डॉ. आर. जयकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. बी. जोणसन, वैज्ञानिक ने व्याख्यान दिया और प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन किया।

जी ओ एम बी आर टी निधिबद्ध परियोजना के अंतर्गत तंगच्चिमडम, ओलैकुडा और विवेकानन्द पुरम गाँवों में जून और अगस्त 2017 महीनों



समुद्री अलंकारी मछली पालन कार्यक्रम के सहभागी

में 'चुनी गयी समुद्री अलंकारी मछलियों का संतति उत्पादन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अलंकारी मछलियों के संतति उत्पादन में अभिरुचि होने वाले प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अमिटी विश्वविद्यालय, पेरुरकडा, तिरुवनंतपुरम के सहभागियों के लिए अलंकारी मछली पालन के विभिन्न पहलुओं जैसे उद्यमिता

विकास, समुद्री जलजीवशाला प्रौद्योगिकियाँ और जलजीवशालाओं में पानी की गुणता का अनुरक्षण, अलंकारी मछली स्फुटनशाला और पानी की जांच करने के टेस्टिंग किट का उपयोग पर 20-27 सितंबर, 2017 के दौरान प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. एम. के. अनिल, डॉ. बी. संतोष, प्रधान वैज्ञानिकों और श्रीमती एस. सूर्या, वैज्ञानिक ने प्रशिक्षण दिया।

जर्नल क्लब

सी एम एफ आर आइ मद्रास अनुसंधान केन्द्र के जर्नल क्लब द्वारा "भारत में मगरमच्छ परिरक्षण" विषय पर दिनांक 30 अगस्त, 2017 को व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री निखिल वाइटकर, संग्रहालयाध्यक्ष, मद्रास मगरमच्छ बैंक (सेन्टर फोर हेरपेटोलजी) ने व्याख्यान दिया।

टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र के जर्नल क्लब द्वारा दिनांक 20 सितंबर, 2017 को "सी एम एफ आर आइ में समुद्री शैवाल अनुसंधान-70वां वर्ष पर एक अवलोकन" विषय पर दिनांक 30 अगस्त, 2017 को व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. एन. कालियपेरुमाल, भूतपूर्व

प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ एवं कार्यकारी समिति सदस्य, समुद्री शैवाल अनुसंधान एवं उपयोगिता समिति (एस आर यु ए), चिदंबरम, तमिल नाडु ने व्याख्यान दिया।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के महिला सेल द्वारा स्ट्रोक पर जानकारी देने हेतु दिनांक 19 सितंबर, 2017 को “स्ट्रोक पर जाने: स्ट्रोक को रोके” विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. विवेक नम्बियार, अध्यक्ष, स्ट्रोक मेडिसिन, अमृता इस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सायन्स, कोच्ची ने व्याख्यान दिया और 100 से अधिक कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. जी. महेश्वरुडु, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, श्री डोमिनिक प्रसन्टेशन, एम एल ए, प्रसिद्ध वकील श्री एब्रहाम लोरेन्स, प्रोफसर देवकी अंतर्जनम, स्ट्रोक सर्वाइवर्स यूनिट के स्वयंसेवक, डॉ. सोमी कुरियाकोस, अध्यक्ष और डॉ. एन. अश्वती, सचिव, महिला सेल ने भाषण दिया।



डॉ. विवेक नम्बियार स्ट्रोक पर व्याख्यान देते हुए

मान्यताएं

- डॉ. अमीर कुमार श्यामल और टीम को भुवनेश्वर में 22-23 सितंबर, 2017 के दौरान “पशु जैवप्रौद्योगिकी के सीमा क्षेत्रों में ट्रान्सलेशनल अनुसंधान के अवसर और चुनौतियाँ” विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और एस वी एस बी टी के पांचवां वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए “मछली आँख के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी स्कैनिंग ऊतक शुष्कन का रासायनिक तरीका सस्ता और आर्थिक दृष्टि से लचीला” शीर्षक के लेख को उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री प्रलय रंजन बेहरा, वैज्ञानिक को विशाखपट्टणम पत्तन न्यास के जैवविविधता संघात निर्धारण रिपोर्ट के प्रमाणीकरण के लिए आंध्र प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति में समुद्री जीवविज्ञान के विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

मछुआरा समुदाय की बालिकाओं के सशक्तीकरण के लिए वित्तीय सहायता



श्रीमती पद्मजा पिल्लै द्वारा माया कार्तिकेयन को छात्रवृत्ति प्रदान करने का दृश्य

स्वर्गीय डॉ. पी. परमेश्वरन पिल्लै, संस्थान के भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं एमरिटस वैज्ञानिक के स्मरणार्थ स्थापित ट्यूना पिल्लै मछुआरा कल्याण ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2017 से लेकर एक वर्ष की अवधि तक मछुआरा समुदाय की एक बालिका की शिक्षा प्रायोजित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए प्राप्त सैकड़ों आवेदनों से जांच समिति द्वारा तृशूर जिले के चेट्टुवा में

रहने वाले के. वी. कार्तिकेयन और के. सी. रेखा की पुत्री माया कार्तिकेयन, बारहवीं कक्षा की छात्रा को पुरस्कार के लिए चुना गया। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती पद्मजा पिल्लै ने कुमारी माया को वित्तीय सहायता प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, श्रीमती

सी. आर. सत्यवती, कार्यकारी निदेशक, एस ए एफ, मात्स्यिकी विभाग, केरल, श्रीमती आशा पिल्लै, डॉ. आर. नारायणकुमार, अध्यक्ष, समाज आर्थिक मूल्यांकन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग और डॉ. षोजी जोसफ, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने भाषण दिया।

नव भारत मंथन: संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन



श्री के. वी. तोमस, सांसद उद्घाटन भाषण देते हुए

कृषि विज्ञान केन्द्र ने केन्द्रीय सरकार के नव भारत आंदोलन के भाग के रूप में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में दिनांक 24 अगस्त, 2017 को नव भारत मंथन: संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश

भर मनाए गए भारत छोड़ो आंदोलन के 75वां वर्षगांठ के भाग के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रोफसर के. वी. तोमस, सांसद, एरणाकुलम ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और नव भारत शपथ दिलाया। डॉ. पी. प्रवीण,

सहायक महानिदेशक (समुद्री मात्स्यिकी), भा कृ अनु प ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोहराने के सात मुद्दों की कार्यनीति योजना का विवरण दिया। इसका मलयालम अनुवाद भी पढ़ लिया और मछुआरों तथा मीडिया के लोगों को प्रदान किया गया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ कार्यक्रम में अध्यक्ष रहे। डॉ. शिनोज सुब्रमण्यन, अध्यक्ष, के वी के और डॉ. एन. अश्वती, प्रबंधक, ए टी आइ सी, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ भी उपस्थित थे। इस के उपरांत किसान-मछुआरा विचार विमर्श बैठक भी आयोजित की गयी। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, केरल कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, एरणाकुलम और के वी के आलपुष्पा के विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 200 किसानों के साथ विचार विमर्श किया। इन किसानों को उपयोगी तरकारी बीज और कृ वि के के प्रकाशनों का किट प्रदान किया गया।



नव भारत शपथ ग्रहण

मृदा रहित रोपण माध्यम का विपणन

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ में दिनांक 21 सितंबर, 2017 को आयोजित विपणन मेले में मृदा के स्थान पर विकल्प के रूप में उपयोग किए जाने वाले माध्यम के लिए लोगों के बीच बड़ी मांग थी। नगर में रहने वाले करीब 1000

लोगों ने मेले का दौरा किया और मृदा रहित माध्यम के 10 किलोग्राम भार वाले लगभग 2000 थैलियाँ खरीदी गयीं। इसके अतिरिक्त करीब 5000 पैकेटों के लिए बुकिंग भी की गयी। लगभग 70 शक्य उद्यमियों ने वाणिज्यिक

तौर पर मृदा रहित माध्यम तैयार करके विपणन करने की अभिरुचि दिखाकर हैल्प डेस्क में पूछताछ की। उनको इसके लिए आवश्यक निवेश तथा उत्पाद के निर्माण के लिए कच्चा माल के बारे में तकनीकी सलाह प्रदान किया गया।

किसान उत्पादक कंपनी हितधारकों की बैठक

कृषि विज्ञान केन्द्र ने दिनांक 2 अगस्त, 2017 को सी एम एफ आर आइ, कोच्ची में दो किसान उत्पादक कंपनियों, पेरियार वैली स्पाइसेस फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

और पोक्काली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के शेयर धारकों की बैठक आयोजित की। शेयर धारकों को साध्य विपणन उद्यमों के प्रारंभिक स्तरों से बढ़ती तक के कदमों पर

अभिमुखीकरण दिया गया। इस अवसर पर श्री जोयल जोर्ज, चार्टर्ड एकाउन्टन्ट द्वारा कंपनी इनकार्पोरेशन अधिनियम के बारे में व्याख्यान भी दिया गया।

- **डॉ. ए. गोपालकृष्णन**, निदेशक ने दिनांक 16 जुलाई 2017 को ए पी शिन्डे सभा गृह, एन ए ए एस सी समुच्चय, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित भा कृ अनु प के 89वां स्थापना दिवस समारोह और भा कृ अनु प पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में भाग लिया।
सचिव (डी ए डी एफ) की अध्यक्षता में हैदराबाद में दिनांक 29 जुलाई 2017 को आयोजित एन एफ डी बी की कार्यकारी समिति की 31वीं बैठक में भाग लिया।
केरल राज्य पशु चिकित्सा परिषद, पेरुरकडा, ट्रिवान्द्रम के सम्मेलन कक्ष में 29-31 अगस्त, 2017 को आयोजित केरल पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड की 53वीं बैठक और प्रबंध परिषद की 25वीं बैठक में भाग लिया।
सचिव, डी ए डी एफ की अध्यक्षता में नई दिल्ली में 4 सितंबर, 2017 को आयोजित डी ए डी एफ-एन एफ डी बी-सी एम एफ आर आइ की परियोजना पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा 12 सितंबर, 2017 को भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र, मंडपम कैप में आयोजित निरीक्षण बैठक में भाग लिया।
ए एस आर बी द्वारा नई दिल्ली में 21 सितंबर, 2017 को वैज्ञानिकों के पेशा उन्नति योजना के लिए आयोजित निर्धारण समिति की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. के. एस. मोहम्मद**, अध्यक्ष, एम एफ डी ने लंदन, यु के में 3-7 जुलाई 2017 के दौरान समुद्री स्टिवाडशिप काउन्सिल की तकनीकी परामर्श बोर्ड की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
एन सी ई एस एस द्वारा तिरुवनंतपुरम में 29 अगस्त, 2017 को आयोजित ओ एस आइ सी ओ एन-17 के तकनीकी सत्र में सह अध्यक्षता की।
- **डॉ. प्रतिभा रोहित**, प्रभारी वैज्ञानिक, मांगलूर अनुसंधान केन्द्र, **डॉ. शुभदीप घोष**, प्रभारी वैज्ञानिक, विशाखपट्टणम केन्द्र, **डॉ. जी. महेश्वरुडु**, **डॉ. वी. कृपा**, **डॉ. एस. राजु** (प्रधान वैज्ञानिकों) और **डॉ. वी. वेंकटेशन**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने नीति आयोग, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ और डब्ल्यू डब्ल्यू एफ द्वारा संयुक्त रूप से टिकाऊ विकास लक्ष्य-14 के कार्यान्वयन के देखरेख के लिए दिनांक 4-5 जुलाई, 2017 के दौरान कोच्ची में आयोजित 'मानव कल्याण एवं टिकाऊ विकास के लिए समुद्री तथा तटीय पारितंत्र का प्रभावकारी सम्मिलित प्रबंधन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. आर. नारायणकुमार**, अध्यक्ष, एस ई ई टी टी डी ने एन ए ए आर एम में दिनांक 31 अगस्त, 2017 को 'वर्ष 2030 के लिए कृषि अनुसंधान और विस्तार व्यवस्था प्रबंधन का नया रूप प्रदान करना' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. वी. कृपा** ने भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ मांगलूर अनुसंधान केन्द्र, मंगलूर में 24-26 सितंबर, 2017 के दौरान 'समुद्री आवास व्यवस्था के साथ तटीय औद्योगीकरण का तालमेल' (एच सी आइ एम ई एच) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- **डॉ. वी. वी. सिंह**, प्रभारी वैज्ञानिक, मुम्बई अनुसंधान केन्द्र ने स्मार्ट अग्री पोस्ट द्वारा नई दिल्ली में 8 सितंबर, 2017 को खेती से आय बढ़ाने हेतु कृषि का डिजिटलाइजेशन: बृहद् आंकड़ा विश्लेषण, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आइ ओ टी) और होशियार खेती विषयक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ का प्रतिनिधित्व किया और टिकाऊ मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए mKRISHI® मोबाइल ऐप के प्रयोग पर व्याख्यान दिया।
भा कृ अनु प-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई में 8 अगस्त, 2017 को आयोजित पीएच.डी छात्रों की परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. पी. यु. जक्करिया**, अध्यक्ष, डी एफ डी ने भूविज्ञान अध्ययन का राष्ट्रीय केन्द्र (एन सी ई एस एस), भारतीय महासागर समिति द्वारा 20-30 अगस्त, 2017 के दौरान तिरुवनंतपुरम में आयोजित ओ एस आइ सी ओ एन-17 के तकनीकी सत्र: महासमुद्रों के समुद्री आवास तंत्र और जैव-भू रसायन विषयक तकनीकी सत्र में सह अध्यक्षता की।
- **डॉ. पी. विजयकुमारन**, प्रधान वैज्ञानिक ने पृथ्वी भवन में सचिव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली की अध्यक्षता में 28 जुलाई, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिन्द महासागर खोजयात्रा II (HIOE II) की परिशोधित समिति की प्रथम बैठक में भाग लिया।
सेवानिवृत्त होने वाले वैज्ञानिकों के लिए भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ कारवार अनुसंधान केन्द्र में 14-15 सितंबर, 2017 के दौरान 'विज्ञान से परे सोच-ज़िंदगी के अगले कदम के लिए संवादात्मक ऐक्य' विषय पर एच आर डी कार्यक्रम आयोजित किया।
- **डॉ. एम. के. अनिल**, प्रभारी वैज्ञानिक, विषिजम अनुसंधान केन्द्र ने कृषि अनुसंधान भवन, नई दिल्ली में 3-5 सितंबर, 2017 के दौरान 'चुने गए स्थानों में ब्रूडबैंक, स्फुटनशालाओं, नर्सरी इकाइयों और पालन स्थानों की स्थापना से सिल्वर पोम्पानो मछली के उत्पादन में वर्धन' विषय पर एन एफ डी बी द्वारा आयोजित पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया और परियोजना के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया।
- **डॉ. पी. विजयकुमारन**, और **डॉ. जो के. किष्कूडन**, प्रधान वैज्ञानिकों ने मात्स्यिकी निदेशालय, तमिल नाडु मात्स्यिकी विभाग में दिनांक 25 जुलाई, 2017 को आयोजित सी डी आर आर पी (तटीय आपदा जोखिम घटाने का कार्यक्रम) एफ आइ एम एस यु एल II (टिकाऊ आजीविका के लिए मात्स्यिकी प्रबंधन II) परियोजना की राज्य स्तरीय तकनीकी समिति बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. आर. जयभास्करन** ने समुद्री एवं तटीय अध्ययन, मुदरै कामराज विश्वविद्यालय, पुदुमडम, तमिल नाडु में 'स्कूबा गोताखोर' विषय पर 14 सितंबर, 2017 को आयोजित संगोष्ठी एवं जानकारी कार्यक्रम में "जलांदर अनुसंधान तरीके" विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।
- **डॉ. एस. आर. कृपेश शर्मा**, प्रधान वैज्ञानिक और **डॉ. एम. ए. प्रदीप**, वैज्ञानिक ने मेडजीनोम, कोच्ची में 27 और 28 जुलाई, 2017 को "स्मार्ट अनुक्रम और जैवसूचना विज्ञान विश्लेषण" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. डिबु डी.**, प्रभारी वैज्ञानिक, वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कोडिनार द्वारा 29 अगस्त, 2017 को "नया भारत मंथन, संकल्प से सिद्धि" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
सी ए इज़ेड आर आइ, जोधपुर में 22 और 23 सितंबर, 2017 को आयोजित XXIV भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की क्षेत्रीय समिति की मध्य अवधि पुनरीक्षण बैठक और किसान मेले में भाग लिया।
- **डॉ. प्रतिभा रोहित**, **डॉ. यु. गंगा** (प्रधान वैज्ञानिकों), **डॉ. राजेश के. एम.**, वरिष्ठ वैज्ञानिक और **श्री के. मोहम्मद कोया**, वैज्ञानिक ने भारतीय मछली तेल एवं मछली खाद्य निर्यातक समिति (आइ एफ ए एफ ई ए) द्वारा कोच्ची में 27 जुलाई, 2017 को आयोजित भारतीय तारली मात्स्यिकी सुधार कार्यक्रम (एफ आइ पी) में भाग लिया।
- **डॉ. रेखा जे. नायर**, और **डॉ. जोसिलीन जोस**, प्रधान वैज्ञानिकों ने 29 अगस्त, 2017 को आयोजित नारियल विकास बोर्ड की जांच समिति बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. प्रतिभा रोहित**, प्रधान वैज्ञानिक, **डॉ.**

राजेश के. एम., डॉ. एन. अश्वती, वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कर्नाटक जैवविविधता बोर्ड द्वारा 29.08.2017 को बांगलूरु में आयोजित बाहरी वित्त पोषित परियोजना “कर्नाटक के समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में समुद्री जैव संपदाओं, विपणन श्रृंखलाओं की उपयोगिता और पहुँच लाभ शेयरिंग” विषय पर आयोजित परियोजना पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।

- **डॉ. अब्दुल नाज़र**, प्रभारी वैज्ञानिक, मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र ने एन एफ डी बी, हैदराबाद में 27 जुलाई, 2017 को आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. अब्दुल नाज़र**, प्रधान वैज्ञानिक ने डी ए डी एफ, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में 4 सितंबर, 2017 को आयोजित परियोजना पुनरीक्षण बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. अब्दुल नाज़र**, प्रधान वैज्ञानिक और **डॉ. आर. जयकुमार**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने एन एफ डी बी, हैदराबाद में 21 सितंबर, 2017 को आयोजित परियोजना पुनरीक्षण बैठक और पिंजरा विनिर्माता बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. एम. शक्तिवेल** और **श्री एम. शंकर**, वैज्ञानिकों ने भा कृ अनु प-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 10-30 अगस्त, 2017 के दौरान “बयोमेट्रिक्स में आधुनिक सांख्यिकी तकनीक” विषय पर आयोजित संकाय प्रशिक्षण में भाग लिया।
- **डॉ. बी. जोणसन**, वैज्ञानिक ने सामुदायिक विकास संगठन न्यास-सी-डोट, समुद्री शैवाल नवोन्मेष नेटवर्क ऑफ इंडिया-एस आइ एन आइ, राष्ट्रीय मछुआरा फोरम द्वारा एन आइ ओ टी, चेन्नई में 16 सितंबर, 2017 को आयोजित “भारतीय राष्ट्रीय समुद्री शैवाल सम्मेलन” में संपदा व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- **डॉ. शेखर मेघराजन**, वैज्ञानिक ने ‘पिंजरा मछली पालन और समुद्री शैवाल पैदावार में सी एम एफ आर आइ की तकनीकी सहायता से आंध्रा प्रदेश के तटीय समुद्र में समुद्री संवर्धन का विकास-9 तटीय राज्यों में पिंजरा मछली पालन और समुद्री शैवाल पैदावार’ विषय पर विजयवाड़ा में मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्रा प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **श्री प्रलय रंजन बेहरा**, वैज्ञानिक ने आंध्रा प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की दिनांक 19 जुलाई, 2017 को विजयवाड़ा में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. आर. नारायणकुमार**, **डॉ. श्याम एस.**

सलिम और डॉ. पी. षिनोज ने आमस्टरडाम विश्वविद्यालय द्वारा अमृता इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट और लयोला कॉलेज की सहकारिता से वाय डब्ल्यू सी ए के अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह में 2 अगस्त, 2017 को ‘आहार के लिए मछली’ विषय पर आयोजित परियोजना कार्यशाला में भाग लिया।

- **डॉ. पी. षिनोज** ने भा कृ अनु प-राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 30-31 अगस्त, 2017 को आयोजित ‘नेटवर्क परियोजना योजना कार्यशाला’ में भाग लिया।
- **श्री विनयकुमार वास और श्री ताराचंद खुमावत**, वैज्ञानिकों ने डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया और गिर फाउन्डेशन, गुजरात सरकार द्वारा गांधीनगर, गुजरात में “गुजरात में समुद्री परिरक्षण” विषय पर 14 सितंबर, 2017 को आयोजित हितधारक परामर्श बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. डिवु डी.**, प्रभारी वैज्ञानिक, वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र और **श्री चन्द्रमौलि शर्मा**, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने 22 अगस्त, 2017 को आयोजित वेरावल न रा का स की अर्धवार्षिक बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. के. एन. सलीला**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने एन ए ए आर एम, हैदराबाद में दिनांक 1 सितंबर, 2017 को ‘वर्ष 2030 के लिए कृषि अनुसंधान और शिक्षा व्यवस्था प्रबंधन का नया रूप प्रदान करने में भा कृ अनु प-एन ए ए आर एम की भूमिका’ विषय पर आयोजित बुद्धिशीलता कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. रितेश रंजन**, वैज्ञानिक ने भा कृ अनु प, नई दिल्ली में 8 अगस्त, 2017 को आयोजित एन ए एस एफ हिल्सा परियोजना की सशक्त समिति की पुनरीक्षण बैठक में

भाग लिया।

- **डॉ. टी. एम. नजमुद्दीन**, ने भा कृ अनु प-एन ए ए आर एम, हैदराबाद में 1-5 अगस्त, 2017 के दौरान ‘कृषि अनुसंधान में जीतने वाले परियोजना प्रस्ताव’ विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- **डॉ. रतीश कुमार आर.**, वैज्ञानिक ने इंदोर में 22 सितंबर, 2017 को राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी (पश्चिम केन्द्रीय क्षेत्र) में भाग लिया।
- **डॉ. अखिलेश के. वी.**, वैज्ञानिक ने सी एम एल आर ई, कोच्ची में 6 जुलाई, 2017 को ‘गहरा सागर मिशन-गहरा सागर मात्स्यिकी और क्रिल’ विषय पर आयोजित बुद्धिशीलता बैठक और 10 जुलाई, 2017 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में ‘गहरा सागर अनुसंधान में राष्ट्रीय मिशन’ विषय पर आयोजित बुद्धिशीलता बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. अखिलेश के. वी.**, और **श्री के. मोहम्मद कोया**, वैज्ञानिकों ने “अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में ट्यूना मात्स्यिकी का विकास” विषय पर भा कृ अनु प-सी आइ एफ टी, कोच्ची में 8 जुलाई, 2017 को आयोजित हितधारकों की बैठक में भाग लिया।
- **श्री नवीन कुमार यादव**, सहायक निदेशक (रा भा) और **श्रीमती ई. के. उमा**, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (हिन्दी) ने भा कृ अनु प-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरु में 11 अगस्त, 2017 को ‘भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों में प्रशासन/प्रबंधन की दक्षता एवं प्रभाव बढ़ाने तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन’ विषय पर आयोजित स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

विदेश के कार्यक्रमों के सहभागी

- **डॉ. प्रतिभा रोहित और डॉ. के. जी. मिनी**, प्रधान वैज्ञानिकों ने 9 जुलाई, 2017 को माली, मालीद्वीप में ‘मेटा-एनालिसिस ऑफ ग्रोथ फोर नेरिटिक ट्यूना’ विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. प्रतिभा रोहित**, प्रधान वैज्ञानिक ने 10-13 जुलाई, 2017 को माली, मालीद्वीप में आयोजित नेरिटिक ट्यूना पर वर्किंग पार्टी की सातवीं बैठक में भाग लिया।
- **डॉ. एम. के. अनिल**, प्रधान वैज्ञानिक ने कैप टाउन, दक्षिण आफ्रिका में 26-30 जून, 2017 के दौरान आयोजित विश्व जलजीव पालन 2017-टिकाऊ जलजीव पालन में भाग लिया और पुनःपरिसंचरण जलजीव पालन व्यवस्था में मार्सियास आंध्रियास स्प्रूडांथियास मार्सिया और पिक इयर एम्परेर लेथ्रिनस लेन्टजान का प्रजनन और संतति उत्पादन विषयक दो लेख प्रस्तुत किए। उन्होंने शुक्ति एवं शंबु लंबी डोर और बेड़ा फामा, समुद्री पिंजरा मछली पालन और शुक्ति निर्मलीकरण इकाइयों का दौरा किया।
- **श्री विनय कुमार वास**, वैज्ञानिक ने “क्षेत्रीय महासागर शासन ढांचा, समुद्र नियम पर युनाइटेड नेशन का कार्यान्वयन (यु एन सी एल ओ एस) और दक्षिण पूर्व एशिया और हिंद महासागर में इसके संबंधित औजार” विषय पर 2-27 जुलाई, 2017 के दौरान हुआ हिन प्रचुआप खिरी खान, थायलान्ड में आयोजित हितधारकों की बैठक में भाग लिया।

पदोन्नतियाँ			
नाम व पदनाम	पदोन्नत पद	केन्द्र	प्रभावी तारीख
श्रीमती एन. सी. सरोजा, उच्च श्रेणी लिपिक	सहायक	विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केन्द्र	10.07.2017
स्थानांतरण			
नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
कुमारी नंदना पी. आर., स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ	कृ वि कें, नारक्कल	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	7.07.2017
श्री जिमोष मोहन सी. एम., स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	कृ वि कें, नारक्कल	11.07.2017
श्री अम्बरशु, वरिष्ठ तकनीकी सहायक	मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र	कोवलम क्षेत्र प्रयोगशाला	07.08.2017
डॉ. वी. मोहन, ए सी टी ओ (पुस्तकालय)	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र	11.08.2017
श्री सुबल कुमार राउल, वैज्ञानिक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	पुरी क्षेत्र केन्द्र	07.09.2017
श्री राजेश कुमार प्रधान, वैज्ञानिक	वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र	पुरी क्षेत्र केन्द्र	07.09.2017
श्री डी. लिंगं प्रभु, वैज्ञानिक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ कोच्ची	टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र	
डॉ. सुरेश बाबु पी. पी., वैज्ञानिक	कालिकट अनुसंधान केन्द्र	कारवार अनुसंधान केन्द्र	11.09.2017
श्री अनुराज ए., वैज्ञानिक	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ	कारवार अनुसंधान केन्द्र	11.09.2017
श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक	टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र	वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र	14.09.2017
श्रीमती शिखा रहानगडले, वैज्ञानिक	टूटिकोरिन अनुसंधान केन्द्र	वेरावल क्षेत्रीय केन्द्र	14.09.2017
अंतर संस्थानीय स्थानांतरण			
नाम व पदनाम	से	तक	प्रभावी तारीख
डॉ. एल्दो वर्गीस, वैज्ञानिक	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आइ ए एस आर आइ), नई दिल्ली	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	25.07.2017
श्री अनुराज ए., वैज्ञानिक	केन्द्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान (सी आइ ए आर आइ), पोर्ट ब्लेयर	भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची	21.08.2017

अधिर्वर्षिता पर सेवानिवृत्तियाँ



डॉ. के. के. फिलिपोस
प्रधान वैज्ञानिक एवं
प्रभारी वैज्ञानिक, कारवार अनुसंधान केन्द्र
30.09.2017



श्री पी. हिलारी
तकनीकी अधिकारी
31.08.2017
विषिजम अनुसंधान केन्द्र



श्रीमती के. वी. सजिता
निजी सचिव
30.09.2017
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची



श्री जे. हमीद सुल्तान
स्किल्ड सपोर्ट स्टाफ
30.09.2017
मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र



सफारी 2

(दूर संवेदन बिम्ब के उपयोग से मात्स्यिकी एवं जलजीव पालन में सामाजिक अनुप्रयोग)

पारितंत्र विश्लेषण एवं मात्स्यिकी के लिए दूर संवेदन पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद 15-17 जनवरी 2018

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,
कोच्ची, भारत द्वारा आयोजन

परिसंवाद के बारे में

महासागर रंग के दूर संवेदन द्वारा हमें महासागर आवास तंत्र पर सिर्फ सामान्य अवलोकन मिल जाता है। इससे समुद्री जैव मंडल का वैश्विक दृश्य मिलता है और समुद्री आवास तंत्र किस तरह भौगोलिक तापन और महासागर अम्लीकरण के प्रति प्रतिक्रिया दिखाता है, इस पर और अधिक अध्ययन करने में सहायक होता है। सफारी (सोसाइटीयल एप्लिकेशन्स इन फिशरीस एंड अक्वाकल्चर यूज़िंग रिमोटली-सेंसड इमेजरी) इस कदम पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग देने और दूर संवेदन के प्रयोग को मात्स्यिकी एवं जलजीव पालन के निश्चित सामाजिक हित के लिए उपयोग करने का प्रारंभिक प्रयास है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सफारी कई स्तरों, भौगोलिक मात्स्यिकी प्रबंधन के सभी स्तरों के सहभागियों के संबोधन, जिसमें निर्णायक एवं नीति निर्माता, अनुसंधान वैज्ञानिक, सरकारी कार्मिक और संपदा प्रबंधक तथा मात्स्यिकी उद्योग के लोग सम्मिलित थे, में सक्रिय रहा। सफारी द्वारा कोच्ची, भारत में वर्ष 2010 में आयोजित कार्यशालाओं और परिसंवादों की श्रृंखला से अंतर्राष्ट्रीय तौर पर दूर संवेदन तथा मात्स्यिकी में अभिरुचि होने वाले पार्टियों का नेटवर्क बनाया गया है।

भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ के 70वां वर्षगांठ के समारोह के भाग के रूप में संस्थान 15-17 जनवरी 2018 के दौरान सफारी परिसंवाद का आयोजन करता है। परिचर्चा से पारितंत्र विश्लेषण और मात्स्यिकी के लिए दूरसंवेदन के प्रयोग पर ज़ोर दिया जाता है।

सामाजिक सहायता के लिए नियमित रूप से स्थायी सफारी सचिवालय स्थापित करने के लिए आयोजक योजना बना रहे हैं। सफारी 2 में इस सचिवालय की कार्यविधियों के लिए संदर्भ की शर्तें स्थापित की जाएंगी। परिसंवाद और अनुवर्ती कार्यवाइयों महासागर एवं समाज: जी ई ओ का ब्लू प्लानेट इनीशिएटिव के लिए योगदान देगा।

परिसंवाद के विषय

दूर संवेदन का अनुप्रयोग :

- मीठा पानी, नदीमुख और समुद्री मात्स्यिकी
- छोटे वेलापवर्तियाँ
- हार्वेस्ट फिशरीस
- जलजीव पालन
- मात्स्यिकी प्रबंधन
- समाज आर्थिकी एवं आइ सी टी
- मात्स्यिकी पर्यावरण एवं आवस तंत्र

परामर्शक

प्रोफसर ट्रेवर प्लाट एफ आर एस*

जवहरलाल नेहरू सयन्स फेलो

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
कोच्ची, भारत

*प्रोफेसोरियल फेलो

प्लाइमाउथ मराइन लबोरटरी

प्लाइमाउथ, युनाइटेड किंगडम

डॉ. शुभा सत्येन्द्रनाथ वैज्ञानिक

प्लाइमाउथ मराइन लबोरटरी

प्लाइमाउथ, युनाइटेड किंगडम

डॉ. जे. के. जेना

उप महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

नई दिल्ली

डॉ. ए. गोपालकृष्णन निदेशक

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
कोच्ची, भारत

अधिक सूचना के लिए :

डॉ. ग्रिनसन जॉर्ज

वरिष्ठ वैज्ञानिक

मात्स्यिकी संपदा निर्धारण प्रभाग

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
पोस्ट बॉक्स सं.1603, एरणाकुलम नोर्थ पी. ओ.

कोच्ची - 682 018, केरल, भारत

दूरभाष: +91 484 2394312

मोबाइल: +91 8547857036

मेल: grinsongeorge@gmail.com

परिसंवाद के बारे में अधिक सूचना परिसंवाद के

वेबसाइट, <http://www.safari2.org.in> देखें



तमिल नाडु में परिनियोजित कृत्रिम भित्तियों का दृश्य
पृष्ठ सं. 4 देखें



कडलमीन

सी एम एफ आर आइ समाचार

कडलमीन, सी एम एफ आर आइ समाचार केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान, कोच्ची का तिमाही प्रकाशन है। यह प्रकाशन तिमाही के दौरान संस्थान की प्रमुख कार्यविधियों पर विवरण देने के साथ साथ अनुसंधान क्षेत्र की नई गतिविधियों और सफलताओं पर प्रकाश डालता है और प्रौद्योगिकी जानकारी को मछुआरा समुदाय तक विकीर्ण करता है।